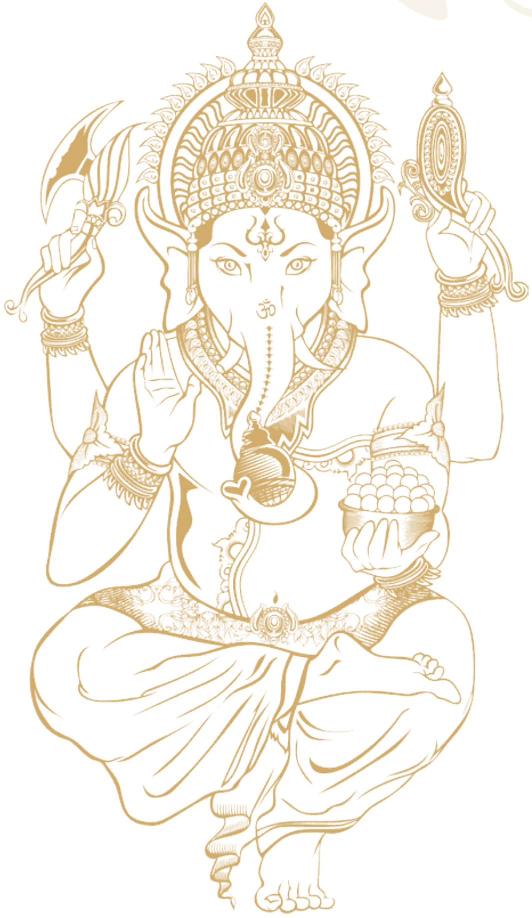

S/o Ankita kcp

25 Jan 2024

10:12 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121881707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/01/2024**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:12:00 घंटे**
इष्ट	36:45:02 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:41:28 घंटे
वेलान्तर	-00:12:09 घंटे
साम्पातिक काल	05:59:26 घंटे
सूर्योदय	07:29:59 घंटे
सूर्यास्त	17:55:51 घंटे
दिनमान	10:25:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	11:00:10 मकर
लग्न के अंश	05:41:18 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	प्रीति
करण	बव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:41:18	307:47:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मक	11:00:10	01:00:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	10:26:41	12:12:32	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल			धनु	21:38:30	00:45:29	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			धनु	20:23:49	01:23:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
गुरु			मेष	12:29:52	00:05:04	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			धनु	08:40:24	01:13:53	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	11:32:14	00:06:39	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	24:23:16	00:13:12	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	24:23:16	00:13:12	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	24:53:51	00:00:05	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	01:24:00	00:01:36	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	05:57:33	00:01:57	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मिथु	05:40:45	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:32

लग्न-चलित

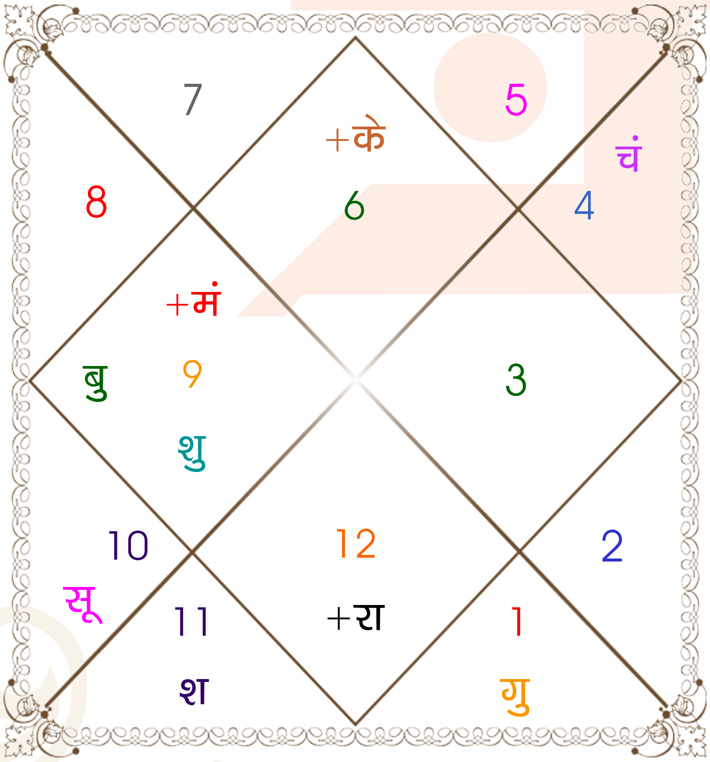

चन्द्र कुंडली

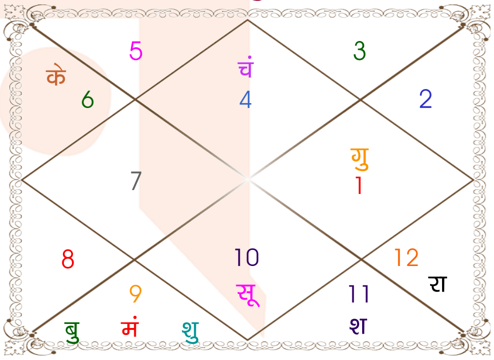

नवमांश कुंडली

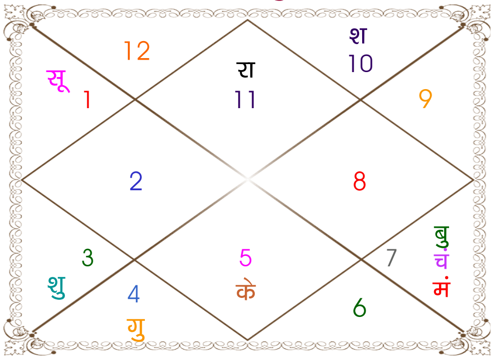

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 10 मास 11 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/01/2024		07/12/2032		07/12/2049		07/12/2056		07/12/2076	
07/12/2032		07/12/2049		07/12/2056		07/12/2076		07/12/2082	
	00/00/0000	बुध	05/05/2035	केतु	05/05/2050	शुक्र	07/04/2060	सूर्य	26/03/2077
	00/00/0000	केतु	02/05/2036	शुक्र	05/07/2051	सूर्य	08/04/2061	चंद्र	25/09/2077
	00/00/0000	शुक्र	03/03/2039	सूर्य	10/11/2051	चंद्र	07/12/2062	मंगल	31/01/2078
	25/01/2024	सूर्य	07/01/2040	चंद्र	10/06/2052	मंगल	06/02/2064	राहु	26/12/2078
सूर्य	09/11/2024	चंद्र	07/06/2041	मंगल	06/11/2052	राहु	06/02/2067	गुरु	14/10/2079
चंद्र	11/06/2026	मंगल	05/06/2042	राहु	25/11/2053	गुरु	07/10/2069	शनि	25/09/2080
मंगल	21/07/2027	राहु	22/12/2044	गुरु	01/11/2054	शनि	07/12/2072	बुध	01/08/2081
राहु	26/05/2030	गुरु	30/03/2047	शनि	11/12/2055	बुध	08/10/2075	केतु	07/12/2081
गुरु	07/12/2032	शनि	07/12/2049	बुध	07/12/2056	केतु	07/12/2076	शुक्र	07/12/2082

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/12/2082		07/12/2092		08/12/2099		08/12/2117		08/12/2133	
07/12/2092		08/12/2099		08/12/2117		08/12/2133		00/00/0000	
चंद्र	08/10/2083	मंगल	05/05/2093	राहु	21/08/2102	गुरु	26/01/2120	शनि	11/12/2136
मंगल	08/05/2084	राहु	23/05/2094	गुरु	13/01/2105	शनि	09/08/2122	बुध	21/08/2139
राहु	07/11/2085	गुरु	29/04/2095	शनि	20/11/2107	बुध	13/11/2124	केतु	29/09/2140
गुरु	09/03/2087	शनि	07/06/2096	बुध	09/06/2110	केतु	20/10/2125	शुक्र	29/11/2143
शनि	07/10/2088	बुध	04/06/2097	केतु	27/06/2111	शुक्र	20/06/2128	सूर्य	26/01/2144
बुध	08/03/2090	केतु	01/11/2097	शुक्र	27/06/2114	सूर्य	09/04/2129		00/00/0000
केतु	07/10/2090	शुक्र	01/01/2099	सूर्य	22/05/2115	चंद्र	09/08/2130		00/00/0000
शुक्र	07/06/2092	सूर्य	08/05/2099	चंद्र	20/11/2116	मंगल	15/07/2131		00/00/0000
सूर्य	07/12/2092	चंद्र	08/12/2099	मंगल	08/12/2117	राहु	08/12/2133		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 10 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।